सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 330 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 6 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हजार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
– नेपोलियन बोनापार्ट

शक्ति केन्द्रों को केंद्र बना लड़ा ... 8 | चुनाव से पहले दागी सपाइयों पर... 3 | वृद्धों और दिव्यांगों को 1500... 7

आज की मुलाकात सबसे खास

जयंत पहुंचे अखिलेश के घर, मिलकर दोनों देंगे यूपी फतह को अंतिम रूप

» आचार संहिता लगने से पहले दोनों के बीच सीटों में बंटवारा लगभग तय

» सपा प्रमुख के घर पर चल रहा गहन मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल तैयार है। निर्वाचन आयोग कभी भी चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। वहीं आचार संहिता लगने से पहले सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटी बिछाने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में आरएलडी मुखिया जयंत चौधरी आज सपा मुखिया से मुलाकात करने उनके घर पहुंचे हैं। राष्ट्रीय लोकदल सुप्रीमो जयंत चौधरी आज सुबह सपा प्रमुख अखिलेश यादव के घर पहुंच गए।

दोनों नेताओं के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। फिलहाल अभी तक कोई बयान सामने नहीं आया है। दरअसल, सपा और रालोद का गठबंधन हो चुका है। जयंत और अखिलेश दोनों दो बड़ी साझा रैलियां भी कर चुके हैं पर अभी भी सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है। जयंत ज्यादा सीटें मांग रहे हैं और अखिलेश इसके लिए तैयार नहीं हैं। मुजफ्फरनगर और मेरठ की कुछ सीटों को लेकर संशय है। इसी पर बात करने के लिए जयंत लखनऊ में है। माना जा रहा है कि आज सीटों पर अंतिम बात बन जाएगी। सुबह ही अखिलेश ने अपनी मसिर्डीज से उन्हें हवाई अड्डे से अपने आवास पर बुलवाया है। यह भी बता दें कि सपा और रालोद के बीच गठबंधन पर पूर्ण सहमति बन जाने के बाद भी सीटों के बंटवारे का पेंच नहीं सुलझ पा रहा है। दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व टिकट के दावेदारों से परेशान है। टिकट न मिलने की स्थिति में विद्रोह की आशंका को देखते हुए सीटों के बंटवारे पर वे बहुत सधे कदमों से आगे बढ़ना चाहते हैं।

फाइल फोटो

गठबंधन में टिकट की अहमियत बढ़ी

कृषि कानून विरोधी रैलियों से अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने वाले रालोद के पास इस समय पश्चिमी यूपी के खास प्रभाव वाले जिलों में बड़ी संख्या में टिकटों के दावेदार आ रहे हैं। सपा के साथ गठबंधन में टिकट की अहमियत और बढ़ गई है। दावेदारों के इसी दबाव के कारण रालोद का शीर्ष नेतृत्व गठबंधन में ज्यादा सीटें लेना चाहता है। उधर सपा भी पश्चिमी यूपी में अपनी मौजूदगी बनाए रखना चाहती है। ऐसे में सपा भी चाहती है कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा इस तरह हो कि सभी जिलों में सपा के भी प्रत्याशी हों।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

जयंत मांग रहे हैं 36 सीटें

सूत्रों के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अंतिम दौर की बातचीत होगी। जयंत 36 से 40 सीटों की मांग कर रहे हैं जबकि अखिलेश 28 सीट ही देना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि जयंत ज्यादा सीटें मांग रहे हैं और अखिलेश इसके लिए तैयार नहीं हैं। मुजफ्फरनगर और मेरठ की कुछ सीटों को लेकर संशय है। इसी पर बात करने के लिए जयंत लखनऊ पहुंच गए हैं। बता दें कि चौधरी अजीत सिंह के निधन के बाद जयंत के सामने पार्टी के खोते जनाधार को बचाने की चुनौती है और इसीलिए जयंत अब गठबंधन के जरिए इसका भरपूर फायदा उठाना चाहते हैं।

कोहरे व बादलों की गिरफ्त में यूपी, ओले गिरने से ठंड बढ़ी

» अधिकांश जगह बारिश से गलन बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस समय पूरा यूपी कोहरे तथा बादलों की गिरफ्त में है। कानपुर, मैनपुरी के साथ लखनऊ और आसपास के जिलों में रात से हो रही बरसात ने ठंड को बढ़ा दिया है। झांसी के साथ ही फिरोजाबाद में ओले गिरने से लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। मेरठ, लखनऊ और आसपास के जिलों में घना कोहरा होने के कारण गलन बढ़ गई है।

कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। कानपुर तथा पास के जिलों में सुबह से बारिश हो रही है तो मैनपुरी में रात भर बूंदाबांदी के बाद सुबह तेज बारिश होने से मौसम में गलन बढ़ गई है।

फोटो :4 पीएम

फिरोजाबाद में ओलावृष्टि के कारण ठिठुरन बढ़ी है तो बरेली में बारिश के बीच में हल्की हवा ने ठंड और बढ़ा दिया है। झांसी और आसपास के क्षेत्रों में आज सुबह से ही वर्षा हो रही है। यहां के बरुआसागर और बबीना ब्लॉक के गांव लहर ठकरपुरा में वर्षा के साथ ही ओले गिर रहे हैं।

कोरोना ने तोड़ा रिकॉर्ड, 24 घंटे में 90 हजार नए मामले

पाबंदियों के बावजूद तेजी से बिगड़ रहे हालात ने बढ़ाई चिंता

» महाराष्ट्र, दिल्ली और यूपी समेत कई राज्यों में तेजी से बढ़ रहा संक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। महाराष्ट्र, दिल्ली व यूपी में कोरोना ने फिर अपना ही रिकार्ड तोड़ा है। बीते चौबीस घंटे में कोरोना मरीजों की संख्या में 56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी है। साथ ही संक्रमण दर पांच फीसदी से अधिक हो गयी है। कोरोना की रफ्तार ने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना के 90,928 नए मामले आए। इस दौरान 325 लोगों की मौत भी हुई है। 19,206 मरीज रिकवर हुए हैं। वहीं अब कोरोना के कुल मामले बढ़कर 3,51,09,286 हो गए हैं। जबकि सक्रिय मामले बढ़कर 2,85,401 हो गए हैं। इससे पहले 10 जून को 92,291 नए मामले सामने आए थे। वहीं एक दिन पहले कोरोना के 58 हजार मामले सामने आए थे। हैरानी की बात यह है कि पाबंदियों के बावजूद हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए अब विशेषज्ञ तीसरी लहर की आशंका जताने लगे हैं।

ओमिक्रोन का ग्राफ 2600 के पार

ओमिक्रोन के मामले भी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि ओमिक्रोन के मामले बढ़कर अब 2,630 हो गए हैं। 995 मरीज रिकवर भी हो चुके हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के 797 जबकि दिल्ली में इसके कुल मामले 465 हो गए हैं।

यूपी में एक बार फिर से क्रांति की जरूरत : मुलायम सिंह

» कार्यालय पहुंचे सपा संरक्षक, युवाओं संग लगाई चौपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव अचानक लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंच गए। जहां उन्होंने युवाओं संग चौपाल लगाई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुलायम सिंह यादव ने कहा कि 2022 का चुनाव युवाओं का चुनाव है। देश को एक बार फिर से क्रांति की जरूरत है और क्रांति समाजवाद से ही होगी। वह अचानक सपा कार्यालय पहुंचे थे। उन्हें अपने बीच पाते ही सपा कार्यकर्ता जोश से भर उठे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी क्षमता से चुनाव में जुटने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि जनता परेशान है और इस बार प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। वहीं सपा के राष्ट्रीय महासचिव सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि भाजपा के कई नेता हमारे संपर्क में हैं। भाजपा के कई विधायक चुनाव हारने वाले हैं, लिहाजा हम उनको पार्टी में नहीं लेंगे। जीतने वाले बीजेपी के विधायक भी हमारे संपर्क में हैं। हम उनको सपा में लाएंगे। कुछ दिन में हम भी बीजेपी से कई नेताओं को सपा में शामिल कराएंगे। सपा नेताओं के यहां छापे से भाजपा की हताशा साफ दिखाई दे रही है। भाजपा ने हार स्वीकार कर ली है। प्रदेश की जनता ने भाजपा को पूरी तरह से नकार दिया है। कहा कि अभी तो छापे की शुरुआत हुई है। कुछ दिन पहले पूर्व सीएम अखिलेश यादव के पीएस के यहां भी छापा डाला गया था, लेकिन कुछ नहीं मिला। अब पुष्पराज जैन के यहां छापा डाला गया है। कल किसी और सपा नेता या कार्यकर्ता के यहां भी छापा डाला जाएगा, इसके लिए तैयार रहना होगा। कहा कि भाजपा प्रदेश से जा रही है, इसलिए भड़ास निकाल रही है। कहा कि जितने छापे पड़ेंगे सपा उतनी मजबूत होगी। कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता के अंदर इतना गुस्सा है कि सपा को सत्ता में आने से कोई रोक नहीं सकता। आने वाले चुनाव में सपा को अभूतपूर्व और ऐतिहासिक विजय मिलेगी।

अखिलेश करें श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति की घोषणा संत समाज देगा साथ

» स्वामी जितेंद्रानंद ने सपा प्रमुख के बयान को सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने वाराणसी में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सपने में भगवान श्रीकृष्ण के आने पर संत समाज भगवान समेत उनको प्रणाम करता है।

औरंगजेब द्वारा तोड़ी गई भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली जिस हाल में पड़ी है, संत समाज उसको मुक्त कराने का प्रयास कर रहा है। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि अखिलेश यादव से आग्रह है कि वह सार्वजनिक रूप से घोषणा करें कि यदि वह प्रदेश की सत्ता में आते हैं तो भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि को मुक्त कराकर भव्य मंदिर निर्माण की राह प्रशस्त करेंगे। देशभर के सभी संतों की इच्छा और उनके संघर्षों का इतिहास भी कृष्ण की जन्मभूमि से जुड़ा हुआ है। श्रीराम जन्मभूमि विश्व हिंदू परिषद और भाजपा के आंदोलन और न्यायालय के निर्णय से मुक्त हो गई। भगवान विश्वनाथ के धाम में कॉरिडोर बन गया। लेकिन श्रीकृष्ण जन्मभूमि अभी भी अभिशप्त है। अगर अखिलेश यादव श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आगे आते हैं तो संत समिति उन्हें श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का अध्यक्ष बनने के लिए आह्वान करती है।

भाजपा की चुनाव समिति में दिखी 'सबका साथ' की झलक

» पाठक, राजबीर सिंह, गीता शाक्य समिति में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव 2022 के लिए भाजपा ने चुनाव समिति की घोषणा की है। समिति में ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य जातियों के साथ दलित, पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के नेताओं को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक, सांसद राजबीर सिंह, प्रदेश महामंत्री अश्विनी त्यागी और प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई को समिति में शामिल कर उनका कद बढ़ाया गया है।

समिति में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, मुख्यमंत्री योगी , उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डॉ. दिनेश शर्मा, महामंत्री संगठन सुनील बंसल, कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बेबीरानी मौर्य, सांसद रेखा वर्मा, सांसद अरुण सिंह को समिति में सदस्य नियुक्त किया है। प्रदेश सरकार के कैबिनेट ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, राष्ट्रीय मंत्री एवं सांसद विनोद सोनकर, सांसद राजबीर सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई और प्रदेश महामंत्री अश्विनी त्यागी को सदस्य नियुक्त किया है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य को पदेन सदस्य नियुक्त किया है।

राजा भैया कुंडा से ही लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने 11 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा की है। दल के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से चुनाव लड़ेंगे। राजा भैया ने राजधानी में आयोजित प्रेसवार्ता में लखनऊ की सभी नौ सीटों पर प्रत्याशी उतारने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पहले चरण में सात जिलों की 11 सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतापगढ़ की बाबागंज सीट से मौजूदा विधायक विनोद सरोज प्रत्याशी होंगे। सोरांव से डॉ. सुधीर राय (चमार) और फाफामऊ से डॉ. लक्ष्मी नारायण जायसवाल को उम्मीदवार बनाया है।

देश बिक रहा, इसे बर्बाद होते नहीं देख सकते : वरुण गांधी

» भाजपा सांसद ने अपनी ही सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत जिले के दो दिवसीय दौरे पर आए सांसद वरुण गांधी एक बार फिर अपनी सरकार के खिलाफ बेहद मुखर नजर आए। बोल कि देश बिक रहा है, निजीकरण के नाम पर देश के संसाधनों को बेचा जा रहा है। पूर्वजों ने कुर्बानियां देकर देश को आजाद कराया और उसे बर्बाद किया जा रहा है। हम इसे बर्बाद होते नहीं देख सकते।

महंगाई आसमान छू रही है और देश का युवा बेरोजगार हो रहा है। सांसद वरुण गांधी का खमरिया पुल पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। बाद में अमरिया ब्लॉक के ग्राम भगा मोहम्मदगंज, उगनपुर, भिखारीपुर, बहादुरगंज, धनकुना, चहलोरा, मझोला, हरदासपुर, कटैया बिरहनी, फरीदपुर गुरद्वारा, देवरनिया, जिठनिया, भगौतीपुर, हैदराबाद आदि ग्रामों का भ्रमण किया। इसी दौरान जनता को संबोधित किया। उन्होंने अपनी ही सरकार के खिलाफ तेवर दिखाए। उन्होंने कहा कि अगर एयरपोर्ट, रेल, बीएसएनएल सब बिक जाएगा तो आम इंसान के बच्चों को सरकारी नौकरी कौन देगा। लाखों नौकरियां पूंजीपतियों के हाथों में चली जाएंगी। वो (पूंजीपति) लोगों को नौकरी से हटाएंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

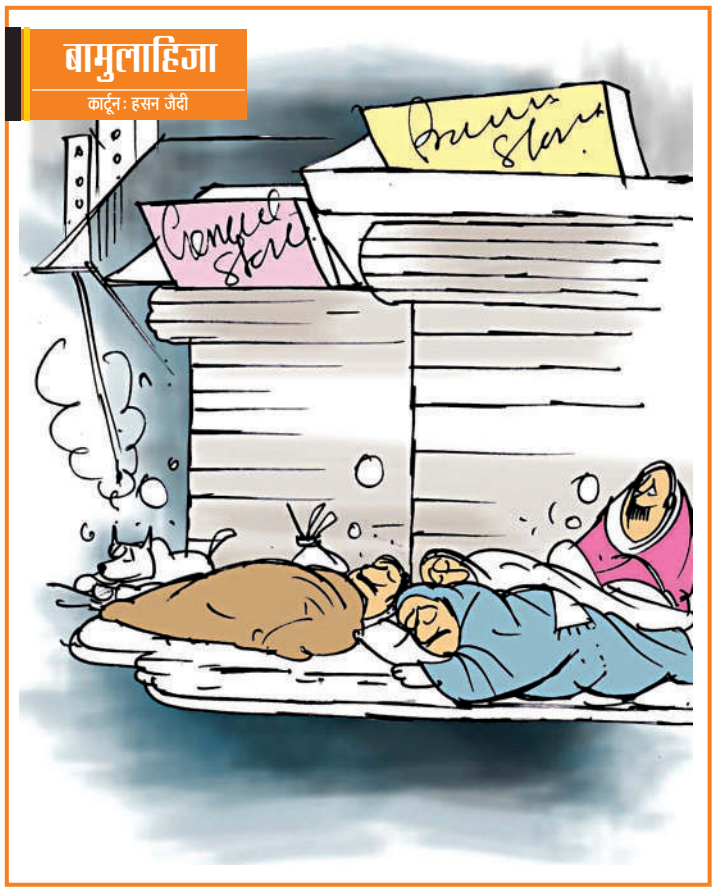

कोरोना का प्रकोप : लखनऊ में अब नहीं होगी पीएम मोदी की रैली

» सपा ने रथ यात्रा, कांग्रेस ने रैलियां रोकीं, योगी का नोएडा कार्यक्रम भी रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना ब्लास्ट के बाद नेताओं ने अपनी चुनावी सभाएं और रैलियां कैंसिल कर दी हैं। इस कड़ी में सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी की लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 9 जनवरी को होने वाली रैली रद्द कर दी गई है। इस रैली के लिए भाजपा करीब 10 लाख लोगों को जुटाने की तैयारी कर रही थी। अब पीएम वर्चुअल तरीके से चुनावी रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। वैसे अभी इस बारे में भाजपा की तरफ से आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

फिलहाल अब चुनाव आयोग के ऊपर निगाहे टिकी हैं। खबर थी कि चुनाव आयोग पीएम मोदी की रैली के बाद चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ की 6 जनवरी को नोएडा में होने वाली सभा को भी कैंसिल कर दिया गया है। देर शाम को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी अपनी विजय रथ यात्रा को स्थगित कर दिया है। अखिलेश यादव 7, 8 और 9 जनवरी को गोंडा, बस्ती और अयोध्या में विजय रथ यात्रा निकालने वाले थे। वहीं, उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने कोरोना मामलों में बढ़ोत्तरी के कारण अपने लड़की हूं लड़ सकती हूं मैराथन को स्थगित कर दिया है। साथ ही, प्रियंका गांधी ने यूपी में बड़ी रैली ना करने का प्लान बनाया है। अब यूपी में कांग्रेस बड़ी रैली की जगह छोटी-छोटी जनसभा करेगी।

भाजपा ने शुरू की वर्चुअल रैलियों की तैयारी

भाजपा के आईटी सेल के संयोजक कामेश्वर मिश्रा ने बताया कि ओमिक्रॉन के बीच भाजपा ने जनता के बीच बने रहने के लिए वर्चुअल और ई-रैली की तैयारी पूरी कर ली है। भाजपा कोरोना की पहली और दूसरी लहर में अपने कार्यकर्ताओं और जनता के बीच वर्चुअल और वेबिनार के माध्यम से अपनी बात नीचे तक पहुंचाती रही है।

चुनाव से पहले दागी सपाइयों पर सपा प्रमुख की नजर, दिखाएंगे बाहर का रास्ता

» अखिलेश यादव ने सभी जिलाध्यक्षों से मांगी सूची

» चुनाव से पहले पार्टी को दुरस्त करने में जुटे सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने कमर कस ली है। चुनाव के दरमियान अपनी नेतागीरी चमकाने के लिए बचकानी हरकतें कर पार्टी की भद पिटवाने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गंभीर रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान कुछ सपाइयों ने अपनी ही कार में तोड़फोड़ कर इसको भाजपा के वाहन में तोड़फोड़ का वीडियो बताकर वायरल कर दिया था।

कार्यकर्ता चुनाव के दौरान दोबारा इसी तरह का कार्य न कर दें इसलिए सपा प्रमुख ने कानपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में ऐसे कार्यकर्ताओं की सूची जिलाध्यक्षों से मांगी है। इन्हें चुनावी प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, ताकि चुनाव प्रचार के दौरान किसी असहज स्थिति का सामना न करना पड़े। कानपुर में इस तरह के कार्यकर्ताओं की सूची बननी शुरू हो गई है जो एक सप्ताह में राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंप दी जाएगी। बता दें कि प्रधानमंत्री की निराला नगर में 28 दिसंबर को रैली थी। इस दौरान एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें भाजपा के बैनर व पोस्टर से सजी कार में तोड़फोड़ और हंगामे का दृश्य था। बाद में पता चला कि कार एक सपाई की थी। हंगामा व तोड़फोड़ करने वाले भी सपा कार्यकर्ता ही थे। नेतागीरी चमकाने और सपा प्रमुख तक अपनी पहचान पहुंचाने के उद्देश्य से यह नाटक रचा गया। हंगामा करने वाले पांच कार्यकर्ताओं को अखिलेश यादव के आदेश पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

राजनीतिक विज्ञापनों पर जनता का पैसा लुटा रही योगी सरकार

जैसे-जैसे चुनाव की तिथियां करीब आ रही हैं, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी बढ़ता जा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के खिलाफ खुलकर आरोप लगा रहे हैं। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष सरकार के विकास कार्यों से जनता का ध्यान हटाकर उन्हें बरगला रहा है तो वहीं विपक्ष का कहना है कि सरकार कोई विकास कार्य नहीं कर रही है बल्कि जनता के पैसे से अपना और अपनी पार्टी का विज्ञापन कर रही है। यह गलत कार्य है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश की योगी सरकार राजनीतिक विज्ञापनों पर जनता का पैसा लुटा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य का सूचना विभाग भाजपा के राजनीतिक विज्ञापन के लिए काम कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सत्ता में आने के बाद समाजवादी पार्टी की उनकी सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी।

वाराणसी में सपा ने दिया कांग्रेस को झटका

लड़की हूं लड़ सकती हूं... नारे के साथ विधान सभा चुनाव में बढ़त बनाने की कोशिश में जुटी कांग्रेस को समाजवादी पार्टी ने पूर्व विधायक राबिया कलाम को बनारस में झटका दे दिया है। राबिया के साथ उनके बेटे जीशान कलाम ने भी सपा ज्वाइन कर लिया। महाराष्ट्र सपा के अध्यक्ष अबू हाशमी की मौजूदगी में सपा अखिलेश यादव ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलायी। साथ ही वाराणसी में पार्टी को मजबूत करने का निर्देश भी दिया। हालांकि राबिया मूलतः समाजवादी ही रही हैं। उनके पति स्व. अब्दुल कलाम समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता थे। वह सपा के टिकट पर शहर उत्तरी विधान सभा से पहली बार वर्ष 1996 में और दूसरी बार 2002 के विधान सभा चुनाव में विधायक चुने गए। गंभीर बीमारी से पीड़ित कलाम का वर्ष 2005 में निधन हो गया। इसके बाद राबिया राजनीति में आईं और शहर उत्तरी से ही 2005 के चुनाव में सपा के टिकट पर चुनाव लड़ कर विधायक बनीं।

मिशन यूपी: अब सरकारी योजनाओं को भुनाएगी भाजपा, प्लान तैयार

» नौ जनवरी से शुरू होगा लाभार्थी संपर्क अभियान

» लाभार्थियों के घर जाकर तिलक लगाकर करेंगे सम्मान

» सरकार की उपलब्धियों की दी जाएगी जानकारी

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यूपी विधान सभा चुनाव में पूरी जोर-शोर से लगा हुआ है। पार्टी नेता न केवल जनविश्वास रैली के जरिए लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं बल्कि बूथ स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर दिया है। अब भाजपा ने एक और प्लान तैयार किया है। इसके तहत वह केंद्र और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को भुनाने में जुट गयी है।

विधान सभा चुनाव में भाजपा केंद्र और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को भुनाने में जुट गई है। इसके लिए पार्टी ने योजनाओं के लाभार्थियों को सहेजने और उन्हें भाजपा के वोटर के तौर पर तैयार करने के लिए एक पुख्ता योजना बनाई है। पार्टी नेतृत्व ने इसे लाभार्थी संपर्क अभियान नाम दिया है। योजना के अनुसार बूथ स्तर के कार्यकर्ता सूची बनाकर लाभार्थियों के घर-घर जाएंगे और हल्दी-कुमकुम का तिलक लगाकर उनका सम्मान करेंगे। उन्हें सरकार की उपलब्धियों का पत्रक देंगे। अनुमति लेकर उनके दरवाजे पर भाजपा का स्टीकर भी लगाएंगे, जिससे सुनिश्चित हो सकेगा कि संबंधित घर का वोट भाजपा का है। अभियान नौ जनवरी से शुरू होकर मकर संक्रांति पर खिचड़ी के सहभोज के साथ संपन्न होगा। सभी शक्ति केंद्रों पर होने वाले खिचड़ी भोज में लाभार्थियों को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी भी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है। इन सभी गतिविधियों की तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर घर-घर हुआ विकास के साथ अपलोड करने के लिए कार्यकर्ताओं को कहा गया है। जिला टीम इसकी निगरानी करेगी और प्रतिदिन रिपोर्ट प्रदेश और क्षेत्रीय कार्यालय को भेजेगी।

बनेंगी टोलियां

एक बूथ पर एक पुरुष और एक महिला टोली बनाई जा रही है। जिस बूथ पर लाभार्थियों की संख्या ज्यादा है, वहां अधिक टोली बनाने का विकल्प है। इसे लाभार्थी संपर्क टोली नाम दिया गया है। पुरुष टोली पुरुष लाभार्थी के घर और महिला टोली महिला लाभार्थी के घर पहुंचेगी। टोली को एक प्रारूप दिया गया है, जिसमें लाभार्थी का नाम और फोन नंबर के साथ उस योजना का जिक्र करना होगा, जिससे वह आच्छादित है। इस दौरान लाभार्थी कोई सुझाव देता है तो उसे भी नोट करना होगा। पार्टी की मंशा सुझाव को अमल में लाने की है।

मंडल और सेक्टर टीम पर विशेष जिम्मेदारी

लाभार्थी संपर्क अभियान को सफल बनाने के लिए मंडलों और सेक्टरों की टीम को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक कर उन्हें सहेजा जा रहा है। मंडलों की बैठक संपन्न हो चुकी है, अब सेक्टरों की बैठक की तैयारी है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित लाभार्थियों की पर्याप्त संख्या है। इसी उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी के मायने

नए वेरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी जारी की है। उसने साफ कर दिया है कि ओमिक्रॉन को हल्के में लेने की भूल नहीं की जानी चाहिए क्योंकि यह डेल्टा वायरस से अधिक तेजी से संक्रमण फैलाता है और मौत का कारण भी बन सकता है। यही नहीं यह वायरस स्वास्थ्य सेवाओं को ध्वस्त कर सकता है।

देश में कोरोना ने फिर कहर बरपाना शुरू कर दिया है। संक्रमण का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। चौबीस घंटे में 58 हजार केस सामने आ रहे हैं और इसके और बढ़ने की आशंका है। संक्रमण की रफ्तार को देखकर विशेषज्ञों ने तीसरी लहर की आशंका जता दी है। वहीं नए वेरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी जारी की है। उसने साफ कर दिया है कि ओमिक्रॉन को हल्के में लेने की भूल नहीं की जानी चाहिए क्योंकि यह डेल्टा वायरस से अधिक तेजी से संक्रमण फैलाता है और मौत का कारण भी बन सकता है। यही नहीं यह वायरस स्वास्थ्य सेवाओं को ध्वस्त कर सकता है। सवाल यह है कि क्या देश में तीसरी लहर आ पहुंची है? क्या संक्रमण की रफ्तार को बढ़ने से रोका नहीं जा सकता है? क्या एक बार फिर लॉकडाउन की स्थितियां उत्पन्न हो गयी हैं? क्या राज्य सरकारें इस नयी आपदा से निपटने को तैयार हैं? क्या संक्रमण देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में पहुंचा देगी? दूसरी लहर की हाहाकारी परिस्थितियों का सामना कर चुकी राज्य सरकारों ने क्या कोई सबक सीखा है?

कोरोना की रफ्तार पहली और दूसरी लहर से अधिक घातक है। पहली लहर में जहां 15 हजार से 50 हजार मामले पहुंचने में 42 दिनों का समय लगा था वहीं दूसरी लहर में यह संख्या 21 दिनों में पहुंच गयी थी लेकिन ओमिक्रॉन वेरिएंट के साथ इसकी रफ्तार कई गुना तेजी से बढ़ गयी है। यही वजह है कि तीन से पांच दिनों के भीतर पचास हजार मामले सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह इतनी तेजी से फैलेगा कि इसको रोकने का समय भी नहीं मिलेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आगाह कर दिया है कि सरकारें इसको आम सर्दी-खांसी समझने की भूल न करें। यह पूरे मेडिकल सिस्टम को तबाह कर सकता है। भले ही यह डेल्टा से कम घातक है लेकिन यह पीड़ित व्यक्ति के मौत का कारण भी बन सकता है। पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए इसकी भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। साफ है कि केंद्र और राज्य सरकारों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए इसको नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि कम से कम लोग संक्रमित हो सके। देश में बढ़ते संक्रमण के मामलों से साफ है कि यह वेरिएंट वैक्सीन को भी चकमा दे रहा है। यह स्थिति बेहद घातक है। वहीं नागरिकों को भी कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। यदि समय रहते हालात पर काबू नहीं किया गया तो देश में एक बार फिर अफरा-तफरी का माहौल दिखायी पड़ेगा यह अच्छा नहीं होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नई चुनौतियों संग पुराने मामलों का दबाव

अनूप भटनागर

वर्ष 2022 के दौरान न्यायपालिका के समक्ष आने वाली नई चुनौतियों के अलावा फिलहाल इस साल देश की शीर्ष अदालत के पास पहले से ही लंबित मामलों की लंबी सूची है। इसमें लंबित राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता के प्रावधान की संवैधानिकता, जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने संबंधी अनुच्छेद 370 खत्म करने, नागरिकता संशोधन कानून की संवैधानिकता, राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनावों में ओबीसी आरक्षण, विभिन्न धर्मों में महिलाओं के अधिकारों से संबंधित विवाद आदि पर सुविचारित व्यवस्था की अपेक्षा है। इस दौरान देश को वर्तमान प्रधान न्यायाधीश सहित तीन प्रधान न्यायाधीशों की कार्यशैली से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान न्यायालय को बहुचर्चित स्पाईवेयर पेगासस का कथित रूप से इस्तेमाल कर भारतीय नागरिकों की जासूसी मामले पर भी अपनी व्यवस्था देनी है। इस प्रकरण में न्यायालय ने विशेषज्ञों का एक दल गठित किया था जिसे सारे तथ्यों का अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट देनी थी। इसी तरह, न्यायालय 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित कतिपय मामलों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल द्वारा राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों को क्लीन चिट देने के खिलाफ जाकिया जाफरी की याचिका पर अपनी व्यवस्था देगा। इन दंगों के दौरान गुलबर्ग सोसायटी में हुई हिंसा में जाकिया के पति और कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी मारे गए थे। इसके अलावा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों और इससे निपटने के सरकारों के उपायों, गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून की संवैधानिकता, सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग सहित कई अन्य महत्वपूर्ण मामलों में न्यायालय की सुविचारित व्यवस्था की अपेक्षा है। शीर्ष अदालत में करीब 69,855 मामले लंबित हैं। इनमें संविधान पीठ के विचारार्थ 422 मामले भी शामिल हैं। यह कहना मुश्किल है कि संविधान पीठ के विचारार्थ मामलों में कब सुनवाई होगी क्योंकि पांच, सात और नौ सदस्यीय संविधान पीठ का गठन बहुत आसान नहीं होता है।

पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन तो फिर भी हो जाता है लेकिन सात और नौ सदस्यीय पीठ का गठन करते समय पहले से लंबित अन्य

मामलों की स्थिति और न्यायाधीशों की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस समय, संविधान पीठ के विचारार्थ मामलों में 135 मामले नौ सदस्यीय संविधान पीठ की व्यवस्था के इंतजार में हैं।

इन मामलों में पांच मूल और 130 इससे संबद्ध मसले हैं। इसी तरह, सात सदस्यीय संविधान पीठ के विचारार्थ 15 मामले हैं, जिनमें सात मूल और आठ इनसे संबद्ध हैं। पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भी 272 मामले विचारार्थ हैं। इनमें 38 मूल और 234 इनसे संबद्ध हैं। देश को वर्ष 2022 में तीन प्रधान न्यायाधीश देखने को मिलेंगे। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण 26 अगस्त तक न्यायपालिका के मुखिया रहेंगे। इसके बाद न्यायमूर्ति उदय यू. ललित प्रधान न्यायाधीश बनेंगे जो आठ नवंबर तक इस पद को सुशोभित करेंगे। न्यायमूर्ति ललित के सेवानिवृत्त होने पर आठ नवंबर को न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई. चंद्रचूड़ देश के प्रधान न्यायाधीश बनेंगे और 10 नवंबर, 2024 तक इस पद पर रहेंगे। बहुत लंबे समय बाद देश को दो साल की अवधि के लिए प्रधान न्यायाधीश मिलेगा। न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई. चंद्रचूड़ के पिता न्यायमूर्ति वाईएस चंद्रचूड़ भी देश के प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे। न्यायमूर्ति वाईएस चंद्रचूड़ संभवत: सबसे लंबी अवधि तक देश के प्रधान न्यायाधीश रहे। वह 22 फरवरी, 1978 को देश के प्रधान न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और सात साल से भी ज्यादा समय तक इस पद पर रहे। वह 11 जुलाई, 1985 को प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे। नयी सदी में, इससे पहले, न्यायमूर्ति केजी बालाकृष्णन और न्यायमूर्ति एसएच कपाड़िया ही ऐसे प्रधान न्यायाधीश हुए, जिनका कार्यकाल दो साल या इससे अधिक था। इस वर्ष उच्चतम न्यायालय के आठ न्यायाधीश सेवानिवृत्त होंगे। इनमें प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति उदय यू. ललित, न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी, न्यायमूर्ति विनीत सरन, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी शामिल हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि 2022 में उच्चतम न्यायालय ही नहीं बल्कि उच्च न्यायालय और अधीनस्थ अदालतें भी पांच करोड़ से ज्यादा लंबित मुकदमों का तेजी से निस्तारण करने का प्रयास करेंगी।

स्थानीय इतिहास से बेपरवाही न हो

पंकज चतुर्वेदी

पीलीभीत के बांसुरी महोत्सव में आये बच्चे, नौकरीपेशा लोग व स्थानीय व्यापारी इस बात से बेखबर थे कि कभी सुभाषचंद्र बोस को देश से बाहर ले जाने में मददगार भगतराम तलवार बीस साल तक उनके ही शहर में रहे थे। उन्हें यह भी नहीं पता था कि 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उनके शहर के आयुर्वेदिक कॉलेज का एक छात्र दामोदर दा शहीद हो गया था। पीलीभीत की बांसुरी मशहूर करनेवालों की रुचि इसमें नहीं थी कि यहां एक प्राचीन जामा मस्जिद, उसके पीछे गौरीशंकर मंदिर या छठी पादशाही गुरुद्वारा भी है।

एटा का सरकारी स्कूल 134 साल पुराना हो गया। उसने कई अफसर, नेता, अभिनेता आदि बनाये, लेकिन जैसे ही नया भवन बना, पुरानी इमारत खंडहर हो गयी। शाहजहांपुर में 1857 के महान लड़ाके मौलवी साहब की कब्र हो या बिस्मिल का मकान, गुमनामी में हैं। शायद देश के हर कस्बे-शहर की यही त्रासदी है। विडंबना है कि जब तब इतिहास को नये तरीके से लिखने का विचार आता है, तो सांप्रदायिक विवादों में घिर जाता है। अपनी स्थानीयता, अपने शहर और पूर्वजों पर गर्व करनेवाला समाज ही अपने परिवेश और सरकारी या निजी संपत्ति से जुड़ाव महसूस करता है और उसे सहेजने के प्रति संवेदनशील बनता है। यह भी समझना होगा कि अब वह पीढ़ी गिनती की रह गयी है, जिसने आजादी के संघर्ष को या तो देखा या उसके सहभागी रहे। यह देश का कर्तव्य है कि उस लड़ाई से जुड़े स्थान, दस्तावेज, घटनाओं को उनके मूल स्वरूप में सहेजा जाए वरना इतिहास वही बचेगा, जो राजनीतिक उद्देश्य से गढ़ा जा रहा है। इतिहास के तथ्यों पर एकमत न होना स्वाभाविक है। इतिहास को नये तरीके से लिखने के लिए इतिहासकार तथ्यों की व्याख्या नये तरीकों से करते हैं जो अतीत के बारे में हमारी धारणाओं को समृद्ध करते हों। खासकर आजादी का इतिहास लिखने के लिए जरूरी है कि उसकी प्रमुख घटनाओं से जुड़ी इमारतों-स्थानों को सुरक्षित रखा जाए। आगरा या कानपुर में सरदार भगत सिंह के ठहरने के स्थान को अब नहीं तलाशा जा सकता, झांसी में आजाद सहित कई क्रांतिकारियों के स्थान का कोई अता-पता नहीं, जलियांवाला बाग में गोलियों के निशान दमकते म्यूरल से ढक दिये गये।

दस्तावेजों के रखरखाव में भी हम गंभीर नहीं रहे। तभी इतिहास को किंवदंती या अफवाह के घालमेल से पेश करने में कई जिम्मेदार व नामी लोग भी संकोच नहीं करते। स्थानीय इतिहास को सहेजना व उसका दस्तावेजीकरण असल में देश के इतिहास को फिर से लिखने जैसा है। इतिहास का पुनर्लेखन ऐतिहासिक ज्ञान की वृद्धि का स्वाभाविक पक्ष है तो हमें सतर्क भी रहना होगा कि तर्कों के मूल में छिपी बातों की कल्पना करना या पूर्वानुमान लगाना, उठाये गये प्रश्नों, ज्ञान को प्रामाणिकता प्रदान करने की प्रक्रिया, विस्तार की गयी कहानी के स्वरूप आदि किस तरह से प्रासंगिक व व्यापक इतिहास से जुड़ें।

उन्नीसवीं सदी के अंतिम दिनों में भारतीय इतिहास को ब्रितानी इतिहासकार सेना में बगावत, किसानों के विद्रोह और शहरी क्षेत्रों में उपनिवेश विरोधी आंदोलनों के नजरिये से लिखने लगे। उसी समय संप्रदाय आधारित लेखन भी शुरू हो चुका था। एक धारा राष्ट्रवादी लेखन की भी थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसे लेखकों के मूलभूत सामाजिक-आर्थिक तथ्यों का आधार शासन-प्रदत्त आंकड़े ही रहे। इस आपाधापी में जो अपना इतिहास लिख गया, वह किताबों में रह गया, लेकिन जो इतिहास कई बड़ी घटनाओं का साक्षी रहा, वह लापरवाही का शिकार हो गया। स्थानीय समाज जानता ही नहीं था कि उसे इन यादों को कैसे समेटना है तथा बड़े इतिहासकार वहां तक पहुंचना ही नहीं चाहते थे। इसका लाभ उठा कर स्कूली व्यवस्था के बाहर बाजार में स्थानीय व राष्ट्रीय इतिहास पर प्रकाशित लोकप्रिय पुस्तिकाओं ने ऐतिहासिक ज्ञान को दूसरे तरीके से प्रचारित किया। बगैर किसी तथ्य, प्रमाण या संदर्भ के लिखी गयीं इन पुस्तकों के पाठक बड़ी संख्या में थे, क्योंकि ये कम कीमत पर मिल जाती थीं। बहुत बाद में पता चला कि ऐसी पुस्तकों ने लोकप्रिय ऐतिहासिक संवेदनशीलता को काफी चोट पहुंचायी। अकेले क्रांतिकारी ही नहीं, लेखक-पत्रकार, लोक कलाकार, कलाओं आदि के प्रति भी बेपरवाही ने इलेक्ट्रॉनिक गजट व गूगल पर निर्भर पीढ़ी को अपने आसपास बिखरे ज्ञान, सूचना और संवेदना के प्रति लापरवाह बना दिया है। पीलीभीत में ही बांसुरी महोत्सव में स्थानीय इतिहास व सेनानियों की एक प्रदर्शनी होती तो लगता कि महोत्सव महज बाजार नहीं है। ऐसे में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर बच्चों में इतिहास के प्रति अन्वेषी दृष्टि विकसित करने का कोई उपक्रम शुरू हो और हर जिले के कम से कम एक विद्यालय में दस्तावेजीकरण का संग्रहालय हो। मुफ्त ब्लॉग पर ऐसी सामग्री डिजिटल रूप से प्रस्तुत कर दी जाए, तो दूरस्थ इलाकों के लोग अपने स्थानीय इतिहास को उससे संबद्ध कर अपने इतिहास-बोध को विस्तार दे सकते हैं।

आजादी की लड़ाई में अपना जीवन खपा देनेवाले गुमनाम लोगों से जुड़े स्थानों को ऐतिहासिक महत्व का पर्यटन स्थल बना सकते हैं। वैसे कक्षा आठ तक जिला स्तर के भूगोल, इतिहास और साहित्य की पुस्तकें अनिवार्य करना चाहिए तथा उनके लिए सामग्री का संकलन स्थानीय स्तर पर ही हो। हमारा वर्तमान अपने अतीत की नींव पर ही खड़ा है और उसी पर भविष्य की इमारत बुलंद होती है। समय आ गया है कि पुरानी नींव को सुरक्षित, संरक्षित व मजबूत बनाया जाए।

बालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है करेला

करेला सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए करेला खाने की सलाह दी जाती हैं। करेला सेहत के साथ साथ स्किन और बालों के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। करेला बालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। करेले का इस्तेमाल कर झड़ते बालों, डैमेज बाल और डैंड्रफ से छुटकारा पाया जा सकता है। चलिए जानते हैं बालों में करेला इस्तेमाल करने का तरीका और फायदे।

मुलायम बाल

अनहेल्दी लाइफस्टाइल और प्रदूषण की वजह बालों की चमक कम हो जाती है। चमकदार बालों के लिए आप करेला जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। डैमेज बालों से छुटकारा पाने के लिए आप बालों में करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। हफ्ते में एक बार करेला का हेयर मास्क लगाने से बाल चमकदार हो जाएंगे।

डैंड्रफ

सर्दियों में बालों में काफी डैंड्रफ हो जाता है। डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए आप करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। करेला में एंटी बैक्टीरियल और एंटीफंगल तत्व पाए जाते हैं जो कि बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है। करेला का हेयर मास्क यूज करने से डैंड्रफ कम हो जाते है जिससे बाल सॉफ्ट और घने नजर आते हैं।

बालों में करेला इस्तेमाल करने का तरीका

बालों की देखभाल के लिए करेला बेहद फायदेमंद होता है। चलिए जानते हैं बालों में करेला इस्तेमाल करने का तरीका। - सबसे पहले करेले को साफ कर लें। इसके बाद करेले से जूस निकाल लें। इसके बाद करेले के जूस में नारियल तेल मिक्स कर लें। इस जूस को बालों में लगाएं। 30 मिनट बाद हेयर वॉश कर लें। - सर्दियों में बालों में काफी रूसी हो जाती है। रूसी से छुटकारा पाने के लिए आप करेले और दही का हेयर मास्क यूज कर सकते हैं। एक करेला लें इसे साफ करके करेले का जूस निकाल लें। इस जूस में दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस हेयर पेस्ट को बालों में लगाएं। इस हेयर मास्क का इस्तेमाल कर बालों से रुसी की समस्या से निजात पाया जा सकता है।

बालों की ग्रोथ

बालों की ग्रोथ के लिए करेला काफी फायदेमंद होता है। करेला का इस्तेमाल करने से बालों की ग्रोथ काफी अच्छी हो जाती है। करेले में पाया जाने वाला फोलिक एसिड बालों को तेजी से बढ़ाने में मदद करता है।

कहानी | बंदरों का व्यापार

एक बिजनेसमैन ने गांव में सब लोगों से कहा मुझे बंदर खरीदने हैं। आप जो भी बंदर को पकड़कर लाएगा उसे मैं 100 रुपए दूंगा। सभी गांव वाले बिना सोचे समझे इस काम में जुट जाते हैं। सभी लोग दो-दो बंदर पकड़कर लाते हैं। और वह बिजनेसमैन गांव वालों को 100 रुपए देता है। जिस दिन वह बिजनेसमैन आता है कि आप फिर से मुझे बंदर पकड़कर दो आपको 500 रुपए दूंगा। सभी गांव वाले तीन-तीन बंदर पकड़कर लाते हैं। वह बिजनेसमैन सभी को 500 दे देता है। गांव वालों को उस बिजनेसमैन पर भरोसा हो जाता है। तीसरे दिन बिजनेसमैन कहता है कि आप और भी बंदर पकड़कर लेकर आओ आपको 2000 रुपए दूंगा। सभी गांव वाले मना कर देते हैं और कहते हैं कि गांव में बंदर खत्म हो चुके हैं तो अब हम काम नहीं कर सकते। वह बिजनेसमैन कहता है कि कोई बात नहीं। बिजनेसमैन का नौकर गांव वालों को बोलता है कि अगर आपको पैसे कमाने हैं तो आप मालिक से हजार रुपए का बंदर खरीदें और मालिक को ही दो हजार में बेच दीजिए। मालिक बहुत नीति वाला आदमी है वह आपको दो हजार रुपए जरूर देंगे। गांव वालों को उस बिजनेसमैन पर पूरा भरोसा था इसलिए वह हजार रुपए में बंदर खरीदते है। उस दिन के बाद न तो बिजनेसमैन आता है न तो नौकर। वह दोनों पूरे गांव वालों को चूना लगाकर शहर आ जाते है।

निष्कर्ष: कहानी से सीख मिलती है की, अगर आप इस कहानी के भावार्थ को समझ गए तो आप भविष्य में आने वाली बहुत से Fake Schem से बच सकते हो। यह बिजनेसमैन गांव वालों को इसमें चूना लगा पाया क्योंकि इसने पहले भरोसा जीता। यह आजकल की रणनीति होती है, पहले थोड़ा भरोसा लोगों का जीता जाता है फिर लोगों को लूटा जाता है। इसलिए सोच-समझकर निर्णय लीजिए।

10 अंतर खोजें

हंसना मना है

संता पुरानी एल्बम देखकर बोला- मम्मी ये फोटो में तुम्हारे साथ कौन है? मम्मी- ये तेरे पापा हैं। संता- तो हम इस गंजे के साथ क्यों रहते हैं? संता का जवाब सुनकर मम्मी बेहोश।

दिवाली के मौके पर गांव की एक लड़की घर से भाग गई और फिर दो दिनों के बाद लौट कर आ गई पिता ने गुस्से में पूछा- अब क्या लेने आई हो? लड़की- अपने हिस्से की मिठाई खाने।

पप्पू जिस जहाज में बैठा था वो अचानक डूबने लगा। फिर भी उसे इस बात का कोई फर्क ही नहीं पड़ा था। वह हंसता ही जा रहा था। दूसरा यात्री- ओए, हंस क्यों रहे हो? पप्पू- शुक्र है रिटर्न का टिकट नहीं खरीदा।

टीचर: कल क्यों नहीं आया? पप्पू: नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर: जल्दी बता, पप्पू: दिवाली पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर: इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू: आपकी बेटी ! (टीचर बेहोश)

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना।

वृषभ

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा।

मिथुन

लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे।

कर्क

पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। विवेक से कार्य करें।

सिंह

लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि।

कन्या

कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे।

तुला

भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त होंगे। भयकारक दिन रहेगा।

वृश्चिक

यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें।

धनु

बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे।

मकर

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। स्वास्थ्य ठीक होगा।

कुम्भ

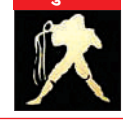

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे।

मीन

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें।

रकुल प्रीत ने डीपनेक ड्रेस में ढाया कहर

बॉलीवुड | मसाला

रकुल प्रीत सिंह ने अपनी एक्टिंग से तो दुनियाभर में तो अपने लिए एक खास जगह बना ही ली है, साथ ही लोग उनकी दिलकश अदाओं के भी दीवाने रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रकुल अक्सर फैंस के साथ अपने वर्क प्रोजेक्ट और निजी जिंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं। अब मंगलवार को उन्होंने अपने एक फोटोशूट की झलक भी दिखाई है। रकुल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो पोस्ट की हैं। इसमें वह गॉर्जियस दिख रही हैं। इस फोटो में रकुल अपने सभी लुक्स से काफी अलग भी दिख रही हैं। इस फोटो में रकुल को ब्राउन शेड्स की डीपनेस सिक्वेंस वाली ड्रेस पहने देखा जा रहा है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग का मेकअप किया है और बालों को खुला छोड़ा है। उन्होंने इस फोटो जूम पोज दिया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नजर वो है जो अपनी आंखों से देखते हैं। नजरिया वो है जिसे आप अपने दिमाग से देखते हैं। रकुल की यह फोटो उनके चाहने वालों के बीच काफी पसंद की जा रही है। कुछ ही घंटों में इस पर लाखों कमेंट्स और लाइक्स आ चुके हैं। रकुल के फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। रकुल के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय उनके पास कई फिल्में रिलीज की कतार में हैं। जल्द ही एक्ट्रेस को जॉन अब्राहम के साथ फिल्म अटैक में देखा जाने वाला है। इसके अलावा वह अमिताभ बच्चन और अजय देवगन के साथ रनवे 34, आयुष्मान खुराना की डॉक्टर जी, सिद्धार्थ मल्होत्रा और अजय देवगन की थैंक गॉड और छतरीवाली में दिखाई देने वाली हैं। रकुल प्रीत के बारे में कहा जाता है कि वे इनदिनों दक्षिण व ओटीटी फिल्मों पर भी सक्रिय है। उनके पास तीन चार फिल्में है। फिलहाल फ्रंट वर्क के चलते उन्होंने अब तक शूटिंग शुरू नहीं की है। जल्द ही वे नई घोषणा भी करने वाली हैं।

पृथ्वीराज के लिए करना होगा इंतजार!

बॉलीवुड | गपशप

कोरोना वायरस और ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए राज्य सरकारों ने फिर से दिशा-निर्देश जारी करने शुरू कर दिए हैं। अब इसका असर फिल्मों की रिलीज पर भी पड़ने लगा है। हाल ही में खबर आई है कि अब सुपरस्टार अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म पृथ्वीराज की रिलीज डेट भी टाल दी गई है।

21 जनवरी को रिलीज होने वाली थीं फिल्में

पहले यह फिल्म 21 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी लेकिन भारत में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के मामलों में उछाल के बीच फिल्म की रिलीज को टाल दी गई है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा, आपके पास एक ब्लॉकबस्टर फिल्म है जो देशभर में दर्शकों को पसंद आएगी, तो आप उसके साथ इतना बड़ा रिस्क नहीं ले सकते हैं।

मेकर्स को फिल्म से काफी उम्मीदें

सूत्र का कहना है, फिल्म पृथ्वीराज तब रिलीज होनी चाहिए जब सिनेमाघर दर्शकों से खचा-खच भरे हों। अगर ये फिल्म अभी रिलीज होगी तो ये अपना उद्देश्य पूरा नहीं कर पाएगी। हमें इंतजार करना चाहिए क्योंकि ये जब रिलीज होगी तो बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा देगी। उन्होंने आगे कहा, फिल्म की अगली तारीख ओमिक्रॉन की स्थिति देखते हुए ही तय की जाएगी। भारत में कोरोना के कारण सख्त नियम लागू किए गए हैं और नई दिल्ली में सिनेमाघरों को बंद करने का फैसला किया गया है। सूत्र ने आगे कहा, हर कोई पृथ्वीराज को बॉक्स ऑफिस पर देखना चाहता है और इसके लिए इंतजार करना होगा। बता दें कि चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित पृथ्वीराज से पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है।

बॉलीवुड | मन की बात

फरहान अख्तर करने जा रहे हैं शिबानी दांडेकर से शादी!

बॉलीवुड एक्टर और फिल्मकार फरहान अख्तर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। पिछले काफी समय से वह एक्ट्रेस और मॉडल शिबानी दांडेकर को डेट कर रहे हैं। अब खबर आई है कि दोनों मार्च 2022 में शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फरहान और शिबानी ग्रैंड वेडिंग प्लान कर रहे थे, लेकिन कोरोना वायरस ने इन योजनाओं पर पानी फेर दिया। कोरोना से बिगड़े माहौल को देखते हुए कहा जा रहा है कि फरहान और शिबानी सिर्फ परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करेंगे। खबरों की माने तो दोनों काफी समय पहले ही शादी करना चाहते थे, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से उन्हें अपनी शादी की तारीख पोस्टपोन करनी पड़ी थी। लेकिन अब फिर कोरोना के कारण फरहान-शिबानी अपनी शादी नहीं टालना चाहते। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों ने शादी के लिए मुंबई का एक 5 स्टार होटल बुक किया है और शादी की बाकी तैयारियां भी लगभग पूरी हो चुकी हैं। खबर है कि फरहान और शिबानी अपनी शादी के खास मौके पर सब्यसाची द्वारा डिजाइन किए गए आउटफिट पहनने वाले हैं। इसके लिए इन दोनों पेस्टल कलर चुना है। गौरतलब है कि फरहान की शिबानी से यह दूसरी शादी होगी। इनसे पहले वह वर्ष 2000 में अधूना से शादी कर चुके हैं। लेकिन 2016 में दोनों ने एक दूसरे से तलाक ले लिया। इन दोनों की दो बेटियां अकीरा और शाक्य भी हैं।

आज तक नहीं चला इस रहस्यमयी स्मारक बनवाने वाले का पता

पूरी दुनिया में एक से बढ़कर एक इमारतें हैं। इनमें से कुछ को बहुत ही रहस्यमयी माना जाता है। आज हम आपको एक ऐसी ही इमारत के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे हजारों साल पहले बनवाया गया था। इस इमारत को रहस्यमयी माना जाता है क्योंकि इसके बनवाने वाले का आज तक कोई पता नहीं चला। इस इमारत के बारे मे कहा जाता है कि इसे किसने बनवाया और क्यों बनवाया, इससे जुड़ा कोई दस्तावेज मौजूद नहीं है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं आयरलैंड के काउंटी मथ बनी एक स्मारक के बारे में। यहां एक प्रागैतिहासिक स्मारक है, जो बॉयरन नदी के उत्तर में ड्रोघेडा से आठ किलोमीटर पश्चिम में बनी हुई है।इस स्मारक को न्यूग्रेंज नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि इस स्मारक को करीब 3200 ईसा पूर्व नवपाषाण काल के दौरान बनाया गया। जो एक असाधारण भव्य स्मारक है। इस स्मारक को विश्व प्रसिद्ध स्टोनहेंज और मिस्र के पिरामिडों से भी काफी पुराना बताया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह स्मारक स्टोनहेंज से लगभग 500 साल पुरानी है। यह रहस्यमयी स्मारक एक बड़े से गोलाकार टीले की तरह है, जिसमें एक आंतरिक पत्थर का मार्ग और कक्ष बनाया गया है।इन कक्षों में इंसानी हड्डियों के अलावा कब्र के सामान भी मिल चुके हैं। इस स्मारक की खुदाई में जली और अधजली मानव अस्थियां भी मिल चुकी हैं। जो ये दर्शाती हैं कि स्मारक के भीतर इंसानी लाशें रखी गई थीं, जिनमें से कुछ का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। लेकिन कुछ को ऐसे ही रख दिया गया होगा। कई पुरातत्वविदों का मानना है कि इस स्मारक का किसी न किसी प्रकार से धार्मिक महत्व रहा होगा। यहां शायद किसी प्रकार की पूजा होती होगी। हालांकि इस जगह का इस्तेमाल किस काम में किया जाता था और इसे किसने बनवाया, इसके बारे में अब तक किसी को भी पता नहीं चल पाया है। यानी यह अब तक एक रहस्य ही बना हुआ है। इस जगह की खोज तो बहुत पहले ही हो गई थी, जिसके बाद यहां 1962 से लेकर 1975 तक खुदाई का काम चला और इसके बारे में जानने की कोशिश की गई। लेकिन इस स्मारक के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल नहीं हुई। इस स्मारक के एक कक्ष में 19 मीटर का एक मार्ग है, जो केवल शीतकालीन ऋतु में ही सूर्योदय के समय रोशन होता है। यह भी एक रहस्य ही है। क्योंकि इसमें बाकी के दिनों में अंधेरा छाया रहता है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा देश जहां

पत्नी का बर्थडे भूलने वालों को जाना पड़ता है जेल

दुनिया के हर देश में अलग-अलग नियम कानून होते हैं। कुछ देशों में तो ऐसे कानून हैं जिनके बारे में जानकर हर कोई दंग रह जाता है। आज हम आपको एक ऐसे ही देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां हर पुरुष को अपनी पत्नी का बर्थडे हर हाल में याद रखना होता है। अगर कोई पुरुष अपनी पत्नी का बर्थडे गलती से भी भूल जाता है तो उसे जेल की हवा खानी पड़ती है। ये जानकर भले ही आपको अजीब सा लग रहा हो लेकिन बात बिल्कुच सच है। दरअसल, प्रशांत महासागर के पॉलिनेशियन क्षेत्र में एक छोटा सा देश है जिसका नाम सामोआ है। ये एक आइलैंड देश है जो अपनी खूबसूरती के लिए दुनियाभर में जाना जाता है।

मगर यहां का एक अजीबोगरीब कानून है जिसके कारण भी ये चर्चा में रहता है। कई बार सोशल मीडिया पर भी इस देश के कानून को लेकर काफी चर्चा भी हो चुकी है, हालांकि बहुत सी वेबसाइट्स ऐसे कानून होने से जुड़ी खबरों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाते हैं। दरअसल, सामोआ में कथित तौर पर ये कानून है कि अगर कोई पति अपनी पत्नी का जन्मदिन भूल गया तो इसे जुर्म माना जाएगा और उसकी पत्नी चाहे तो पति के खिलाफ शिकायत भी कर सकती है। तब पति को जेल जाना पड़ सकता है। बड़ी बात ये है कि इस कानून को लेकर कई सवाल खड़े होते आए हैं। सामोआ ऑबजर्वर नाम की एक वेबसाइट ने इस कथित कानून को लेकर सच बताया था। बता दें कि फरवरी 2020 में पब्लिश हुई वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं को सशक्त करने वाले एक कानून को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कुछ सालों में देश में घरेलू हिंसा के कई मामले सामने आए हैं। एक महिला ने तो कथित तौर पर दूसरी औरत के साथ अपने पति की चैट पढ़कर खुद को आग लगा ली थी। इसलिए यहां पर महिलाओं के लिए कई कानून हैं। इन्हीं में से एक है पति द्वारा पत्नी को नजरअंदाज करने को लेकर कानून। इंटरनेट पर इसी कानून के कुछ प्रावधानों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है की प्रत्यक्ष रूप से ऐसा कोई कानून यहां नहीं बना है। जो पति को जेल भेज सकता हो।

चुनाव से पहले उत्तराखंड सरकार का बड़ा दांव

वृद्धों और दिव्यांगों को 1500 रुपए पेंशन, पूर्व सैनिकों का गृहकर माफ

» धामी कैबिनेट के पिटारे से कई लुभावने फैसले आए बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा चुनाव से पहले धामी कैबिनेट के पिटारे से एक बार फिर कई लुभावने फैसले बाहर आए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में पूर्व सैनिकों का शहरी स्थानीय निकाय क्षेत्रों में गृह कर माफ करने का फैसला लिया। साथ ही समाज कल्याण विभाग की पेंशन योजना के तहत वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन को 1200 रुपये से 1500 रुपये प्रतिमाह बढ़ा दिया।

पिछली कैबिनेट में वृद्धा व विधवा पेंशन 1400 रुपये और पति व पत्नी दोनों को पेंशन के लाभ देने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 112 आयुर्वेद हॉस्पिटल में एक महिला और एक पुरुष चिकित्सक की तैनाती होगी। इसके लिए कुल 224 पदों के सृजन होगा। आयुर्वेद और होम्योपैथी विभाग के डॉक्टरों को एमबीबीएस चिकित्सकों की तर्ज विभागीय सुनिश्चित कैरियर प्रोन्नति(डीएसीपी) का लाभ मिलेगा। कैबिनेट ने राज्य आंदोलनकारियों व उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ देने की प्रक्रिया में तेजी लाने का फैसला किया। उनियाल ने बताया कि प्रदेश सरकार 2016 से राजभवन में विचाराधीन उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों व उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने के विधेयक को मंजूरी दिलाने के लिए राज्यपाल से अनुरोध करेगी ताकि इसका शासनादेश जारी हो सके। कैबिनेट ने शिक्षा मित्रों का वेतन 1500 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार करने का निर्णय लिया। इससे करीब 734 शिक्षा मित्रों को लाभ मिलेगा। कृषि और उद्यान विभाग के एकीकरण पर कैबिनेट ने सैद्धांतिक सहमति दी।

किसानों व बागवानों को राहत

कैबिनेट ने किसानों व बागवानों को राहत देते हुए मंडी एक्ट में शुल्क ढाई प्रतिशत से घटाकर डेढ़ प्रतिशत किया। पीएम फसल बीमा योजना में किसानों को कुल प्रीमियम का दो प्रतिशत के स्थान पर अब एक प्रतिशत अंशदान देना होगा। वहीं कैबिनेट ने नाइट कर्फ्यू का समय एक घंटे बढ़ा दिया है। अब रात 11 बजे के स्थान 10 बजे से सुबह पांच बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। कोविड प्रोटोकॉल के तहत मास्क पहनने में लापरवाही पर सख्ती दिखेगी।

अनुप्रिया पटेल बोलीं वकालत के पेशे में भी आगे आएं महिलाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी की तहसील राजातालाब के बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि अधिवक्ताओं को सुविधाएं और सहूलियतें मिलनी चाहिए। बेहतर सुविधाएं मिलने से वह अपने कार्य को आसानी से कर सकेंगे। उन्होंने महिलाओं से लोकतंत्र के मजबूती के लिए विधि क्षेत्र में भी आगे आने की अपील की। कहा कि न सिर्फ राजनीति के क्षेत्र में बल्कि वकालत के पेशे में भी महिलाओं को आगे आना चाहिए।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों के द्वारा अधिवक्ता भवन की मांग पर उन्होंने कहा कि इसके लिए वे हर संभव प्रयास करेंगी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तक उनकी मांग पहुंचाएंगी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मिर्जापुर के कई तहसीलों में अधिवक्ताओं के लिए बेहतर सुविधाएं अपनी सांसद निधि से उपलब्ध कराई है। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामजी पटेल और महामंत्री धीरेंद्र प्रताप सहित कुल 24 पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। राजातालाब में अपना दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के आगमन के दौरान पार्टी के विधायक नीलरतन सिंह पटेल के न रहने की चर्चा जोरों पर रही। प्रदेश में चुनाव के पहले लोग इसे राजनीति से जोड़कर देखते रहे। उधर, विधायक नील रतन पटेल ने बताया कि मैंने पदाधिकारियों को बताया था कि मैं अस्वस्थ हूं और इसीलिए पहुंच भी नहीं पाया।

अब पानी से चलेंगी कारें, प्रयागराज में लगेगा कारखाना: नितिन गडकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा अब पेट्रोल-डीजल से नहीं पानी से बनने वाले नए ईधन से कारें चलेंगी। पानी से आक्सीजन और हाइड्रोजन अलग कर नए ईधन का निर्माण होगा। इसके लिए पहला कारखाना प्रयागराज में स्थापित किया जाएगा। फिर गाड़ियों में डीजल-पेट्रोल नहीं लेना होगा। आने वाले समय के नए भारत के विकास का यह सपना केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शृंगवेरपुर धाम में जनता को दिखाया।

साथ ही कहा कि आप डबल इंजन की सरकार लाइए, हम गरीबी मिटाने, युवाओं को काम देने के साथ ही विश्व गुरु बनने का सपना पूरा करेंगे। प्रभुश्रीराम से निषादराज के मिलन की भूमि पर नितिन गडकरी ने उमड़े जन समूह से डबल इंजन की सरकार दोबारा लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश बदल रहा है। हम जो कहते हैं, वह करते हैं। पहले हम इथेनाल लाए थे। गन्ने से इथेनाल बनता है। यह चल रहा है। लेकिन, अब बाइक या कार चलाने के लिए पेट्रोल-डीजल नहीं भरवाना पड़ेगा। प्रयागराज में पानी से हाइड्रोजन और आक्सीजन अलग कर नया ईधन बनाने का का पहला कारखाना लगेगा। इससे गाड़ियां चलेंगी।

युवाओं को मिलेगा रोजगार

गडकरी ने कहा केशव इस परियोजना को प्रयागराज में स्थापित करने में मदद करेंगे। गडकरी ने कहा कि इससे नई ऊर्जा तो मिलेगी ही, युवाओं के हाथों को काम भी मिलेगा। उन्होंने इससे भय, भूख और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के साथ विश्व गुरु बनाने का सपना भी पूरा होगा। उन्होंने कहा कि इतने बड़े काम और विकास का श्रेय न मुझे है न केशव को और ना ही इस मंच पर बैठे किसी सांसद, विधायक या मंत्री को। गडकरी ने कहा कि इसका श्रेय यहां मौजूद जनता को है। जिसने हमें चुना है और यह ताकत दी है।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक की जांच शुरू

मोगा व फिरोजपुर के एसएसपी की जांची जाएगी भूमिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने फिरोजपुर में फंसे प्रधानमंत्री मोदी के काफिले और बाद में लौटने के मामले को सुरक्षा में चूक नहीं माना है लेकिन इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी इस सारे मामले की जांच के आदेश जारी करने के साथ ही साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी, एनएसजी व केंद्रीय खुफिया एजेंसी आईबी की होती है।

पंजाब पुलिस सीधे तौर पर दखलअंदाजी नहीं कर सकती क्योंकि राज्य पुलिस ऐसे मामले में पीएम की सिक्योरिटी के दिशा निर्देश के तहत काम करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय जांच करवाने का फैसला किया है ताकि भाजपा नेताओं द्वारा सुरक्षा चूक के लगाए आरोपों की असलियत सामने आ सके। चन्नी ने कहा कि जांच के लिए किन अधिकारियों को शामिल किया जाएगा, इसका जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा। फिलहाल दो जिलों फिरोजपुर और मोगा के अधिकारियों की भूमिका की जांच होगी। क्योंकि किसानों ने मोगा में अचानक धरना देते हुए सड़क जाम की थी।

भारतीय किसान संघ क्रांतिकारी ने जाम की थी सड़क

फिरोजपुर के पियारियाना गांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले को रोकने के लिए भारतीय किसान संघ (क्रांतिकारी) का हाथ बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे के विरोध में पियारियाना गांव के पास एलिवेटेड रोड को जाम कर दिया था। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि उन्हें नहीं पता था कि पीएम मोदी के जाने के बाद खबर वायरल होने तक इस रास्ते पर मोदी रुकेंगे।

यूपी महोत्सव में सूफी गीतों ने बांधा समां

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में सेक्टर ओ पोस्टल ग्राउण्ड अलीगंज में चल रहे 14वें यूपी महोत्सव की तेरहवीं सांस्कृतिक संध्या में तुषार के तबला वादन व सचिन के सूफी गीतों ने समां बांधा। आज की तेरहवीं सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ वेदपति मिश्रा विशेष सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं निदेशक विज्ञान-प्रौद्योगिकी परिषद ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष एन बी सिंह, प्रिया पाल और पवन पाल ने मुख्य अतिथि डॉ वेदपति मिश्रा विशेष सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं निदेशक विज्ञान-प्रौद्योगिकी परिषद को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर विनोद कुमार सिंह ने महोत्सव मे आए दर्शको और दुकानदारों से अपील कि वह कोरोना से डरे नहीं बल्कि उसका डट कर मुकाबला करें और अपने हाथों को सेनेटाइज करें। साथ ही अपने चेहरे पर मास्क जरूर लगाएं।

नैनीताल हाईकोर्ट ने पूछा, क्या चुनावी रैलियां वर्चुअली और ऑनलाइन हो सकती है वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। नैनीताल हाईकोर्ट ने राज्य में ओमिक्रॉन व कोरोना के मामले बढ़ने से विधान सभा के चुनाव व रैलियों को स्थगित किए जाने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद चुनाव आयोग व भारत सरकार से पूछा है कि क्या चुनावी रैलियां वर्चुअली और वोटिंग ऑनलाइन हो सकती है। नैनीताल हाईकोर्ट ने 12 जनवरी तक इस मामले में सरकार से जवाब देने को कहा है।

गौरतलब है कि उत्तराखड में भी कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा है। उत्तराखंड में एक दिन में पांच सौ से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिले हैं। संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ने के कारण सक्रिय मरीजों की संख्या (एक्टिव केस) का आंकड़ा एक हजार पार हो गया है जबकि 24 घंटे में 119 संक्रमित मरीज ठीक हुए हैं। प्रदेश में अब तक 346468 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्र को हाईकोर्ट से राहत

प्रयागराज। बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे रंगनाथ मिश्र को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याची के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी अधिकरण में दाखिल अपील पर अंतरिम राहत अर्जी का निस्तारण होने तक ईडी द्वारा कुर्की सहित किसी प्रकार की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही याची को भी विवादित संपत्ति में तीसरे पक्ष का हित सृजित न करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एके मिश्र और न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्र की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता दिलीप कुमार गुप्ता ने तर्क दिया कि ईडी ने याची के खिलाफ कुर्की सहित अन्य आदेश दिए हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि लज्जावती यादव पत्नी गिरजा शंकर यादव निवासी- ग्राम- बड़ी जुगौली, लखनऊ, खसरा नं.-122-स, ग्राम- अतरौली, तहसील व जिला- लखनऊ के सर्वेश कुमार यादव, आशीष कुमार यादव, सतीश चन्द्र यादव पुत्रगण श्री गिरजा शंकर यादव के साथ सहखातेदार हैं एवं लज्जावती यादव पत्नी स्व0 गिराशंकर यादव अपने हिस्से की उपरोक्त भूमि से एक प्लाट नं0-3-बी, क्षेत्रफल 788 वर्गफीट, रामशरण पुत्र परमेश्वर को विक्रय कर रही है। यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिन के अंदर निम्न से संपर्क करें।

मृगेन्द्र बहादुर सिंह
(अधिवक्ता)
आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
आफिस : ईडब्लूएस 209 & 210
सेक्टर जी, जानकीपुरम, लखनऊ
मो0 9415542801, 6394317537

पंजाब में हुई सुरक्षा चूक मामले में राष्ट्रपति से मिले पीएम मोदी, घटना पर जताई चिंता

» राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने प्रधानमंत्री से मिलकर ली पूरे घटनाक्रम की जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के समय सुरक्षा में हुई चूक पर चिंता जाहिर की है। राष्ट्रपति से मिलने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलने राष्ट्रपति भवन पहुंचे हैं। अभी वार्ता चल रही है, ऑफिसियल कोई बयानबाजी सामने नहीं आई है। सूत्रों की माने तो राष्ट्रपति से पीएम ने मुलाकात की और बुधवार को पंजाब में उनके काफिले में हुए सुरक्षा उल्लंघन का प्रत्यक्ष विवरण दिया। वहीं इससे पहले इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में भी उठाया गया।

वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने चीफ जस्टिस के सामने इस मामले को रखते हुए घटना पर रिपोर्ट लेने और पंजाब सरकार को दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश देने की मांग की। वहीं कोर्ट ने याचिका की कॉपी पंजाब सरकार को सौंपने को कहा। कल यानी शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई होगी। वहीं इस मामले में अब पंजाब सरकार ने उच्च स्तरीय कमिटी का गठन किया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि समिति में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मेहताब सिंह गिल और प्रमुख सचिव (गृह मामले एवं न्याय) अनुराग वर्मा शामिल होंगे। प्रवक्ता ने कहा कि समिति तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। दरअसल बुधवार को पाकिस्तानी सीमा से महज 30 किलोमीटर की दूरी पर पंजाब के फिरोजपुर जिले में पीएम मोदी की सुरक्षा में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया था। पीएम सड़क के रास्ते रैली में शामिल होने के लिए पंजाब जा रहे थे। यहां उनके काफिले को प्रदर्शनकारियों ने रोक लिया जिस कारण से लगभग 20 मिनट तक पीएम फ्लाईओवर पर फंसे रहे। इसके बाद आखिरकार आगे का कार्यक्रम रद करना पड़ा और प्रधानमंत्री को दिल्ली वापस लौटना पड़ा। वहीं बीजेपी की ओर से पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वहीं पंजाब सरकार ने भी इस मामले में उच्च स्तरीय जांच कमेटी बना दी है।

उपराष्ट्रपति ने की पीएम मोदी से बात

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा चूक पर पीएम मोदी से बात की और गहरी चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई इस चूक पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने अपेक्षा की कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं जिससे भविष्य में दोबारा इस प्रकार की चूक न हो।

शक्ति केन्द्रों को केंद्र बना लड़ा जाएगा यूपी चुनाव : सुनील बंसल

» नौ जनवरी तक होगी हर विधानसभा क्षेत्र स्तर की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आगरा में ब्रजक्षेत्र के जिला प्रभारी और अध्यक्षों के साथ चिंतन किया और उनको नसीहत भी दे डाली। सभी को पूरी क्षमता के साथ जुटने के निर्देश दिए तो कुछ प्रभारियों को बदलने के संकेत भी दे दिए। उन्होंने बूथों को मिलाकर बने शक्ति केंद्र का महत्व बताया और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी समझाई।

प्रदेश महामंत्री संगठन ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के लाभार्थियों की सूची लेकर शक्ति केंद्र पर जाना है और प्रपत्र, कुमकुम आदि भी जन-जन तक पहुंचाना है। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि और संगठन पदाधिकारी जिम्मेदारी संभालेंगे। आगरा में भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने ब्रजक्षेत्र की बैठक में आगामी रणनीति तय की। उन्होंने नेतृत्व द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी गंभीरता से धरातल तक पहुंचाने के निर्देश दिए। प्रदेश महामंत्री संगठन ने कहा कि लाभार्थी संपर्क अभियान में विधायक, सांसद, मेयर, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व मेयर, जिलाध्यक्ष, जिले के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी कार्यकर्ता लगेंगे और शक्ति केंद्र पर सेल्फी भी लेनी है। आज से नौ जनवरी तक हर विधानसभा क्षेत्र स्तर की बैठक होगी, जिसमें वरिष्ठों को लगाया जाएगा। साथ ही विधानसभा के चुनाव संयोजक प्रत्याशी घोषित होने के बाद बनेंगे। हर जिले में अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, सामान्य जाति के 100 प्रबुद्ध लोगों की सूची बनाई जाएगी। इनको समान अनुपात में विधानसभा क्षेत्र में भेजा जाएगा। जिलाध्यक्ष एवं प्रभारी सहमति से आवश्यकतानुसार सह प्रभारी नियुक्त कर सकते हैं।

चुनाव से पहले सरकार ने पांच जिलों के डीएम बदले

» सात आईपीएस के बाद 13 आईएएस अफसरों का ट्रांसफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले योगी सरकार ने कल देर रात सात आईपीएस के बाद आज सुबह 13 आईएएस अफसरों का तबादला किया है। इसमें पांच जिलों के जिलाधिकारी तथा अयोध्या के कमिश्नर को बदला गया है।

रामनगरी अयोध्या में जमीन खरीदने के मामले में नाम आने के बाद से अयोध्या के कमिश्नर चर्चा में थे। योगी सरकार ने 13 प्रशासनिक अफसरों का स्थानांतरण किया है। इसमें पांच जिलों के आला प्रशासनिक अधिकारी भी हैं। प्रदेश में पांच जिलाधिकारी बदले गए हैं। आजमगढ़, मऊ, बलिया, अमेठी और शाहजहांपुर में नए जिलाधिकारी को तैनात किया गया है। अयोध्या मंडल के आयुक्त एमपी अग्रवाल का भी तबादला किया गया है। एमपी अग्रवाल का नाम रामनगरी अयोध्या में जमीनें खरीदने के मामले में आया था। उन्हें देवीपाटन मंडल का आयुक्त बनाया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक नवदीप रिनवा को अयोध्या मंडल का आयुक्त तैनात किया गया है। डीएम अमेठी अरुण कुमार को डीएम मऊ के पद पर भेजा गया है। विशेष सचिव खाद्य एवं रसद राकेश कुमार मिश्रा अब डीएम अमेठी होंगे। डीएम आजमगढ़ राजेश कुमार अब मुख्य सचिव के स्टाफ अफसर होंगे। मुख्य सचिव के स्टाफ अफसर अमृत त्रिपाठी को डीएम आजमगढ़ के पद पर भेजा गया है। डीएम बलिया अदिति सिंह को अपर आयुक्त वाणिज्य कर बनाया गया है। डीएम शाहजहांपुर इंद्र विक्रम सिंह को अब डीएम बलिया होंगे। निदेशक भूमि अध्यासि, राजस्व परिषद के पद पर तैनात रहे उमेश प्रताप सिंह को डीएम शाहजहांपुर बनाया गया है। इसी के साथ पोस्टिंग का इंतजार कर रहीं प्रेरणा सिंह को सीडीओ हापुड़ बनाया गया है।

उत्तराखंड में बढ़े तीन लाख मतदाता, 81 लाख का आंकड़ा पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए तीन लाख मतदाता और बढ़ गए हैं। साथ ही राज्य में मतदाताओं का आंकड़ा 81 लाख पार कर गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि एक माह के अभियान में प्रदेश में एक लाख से अधिक युवा मतदाता भी जुड़े हैं।

नवंबर तक प्रदेश में कुल 78 लाख 46 हजार मतदाता थे। अभियान चलाया गया, जिसके बाद मतदाताओं की संख्या बढ़कर 81 लाख 43 हजार 922 हो गई है। उन्होंने बताया कि 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या भी 46 हजार 765 से बढ़कर एक लाख 58 हजार आठ पर पहुंच चुकी है। युवाओं को मतदाता बनाने के लिए परिवार रजिस्टर से पात्र होने जा रहे मतदाताओं की पहचान कर उनके वोट बनाने का लक्ष्य रखा गया।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिया लखनऊ को तोहफा, विपक्ष को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» गोमतीनगर-कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की जनता अब आसानी से मां कामाख्या का दर्शन कर सकेगी। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने लखनऊ को एक बड़ा तोहफा दिया। रेलमंत्री ने आज सुबह करीब 9.50 बजे गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से गोमतीनगर-कामाख्या एक्सप्रेस को रवाना किया। गोमतीनगर-कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन अब 10 जनवरी से नियमित रूप से दौड़ेगी। यह स्पेशल ट्रेन सात जनवरी को कामाख्या से शाम 7.30 बजे लखनऊ की ओर चलेगी।

अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर बिना नाम लिए गांधी परिवार पर निशाना साधा। रेलमंत्री ने कहा कि यूपी ने बहुत पीएम दिए। एक बड़ा परिवार है जो यूपी को अपना साम्राज्य समझता था, लेकिन अब डरकर साउथ की ओर भाग गए। उस परिवार ने सिर्फ वोट लिया, दिया कुछ नहीं। और भी लोग हैं वो क्या काम करते थे, सबको पता है। मोदी जी के साथ योगी जी की डबल इंजन सरकार यूपी का विकास कर रही है। आज यूपी में 97 हजार करोड़ की योजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश और उत्तर प्रदेश में बिना किसी भेद भाव के काम हो रहा है। जबकि पहले कागज में परियोजनाएं रह जाती थीं और सिर्फ शिलान्यास होता था। आज प्रदेश में शांति और कानून व्यवस्था है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।